HW
21.6.21

Ch-3 हंस और कछुआ

पाठ का सारांश

Date
Page

मगध देश में फुल्लोत्पल नामक तालाब में संकट और विकट नाम के दो हंस रहते थे उनका एक मित्र ~~कछु~~ कछुआ और बहुत सारी मछलियाँ भी वहाँ रहती थी। एक बार कुछ मछुआरों ने तालाब के सारी मछलियों और कछुए को अगले दिन पकड़ लेने की बात कही। संकट और विकट ने उनकी बात सुन ली थी। उन दोनों ने यह बात मछलियों और कछुए को बताया। कछुआ घबरा गया उसने दोनो हंसों से अपने बचाव की विनती की। हंसो ने एक योजना बनाई की वे एक डंडे के दोनो सिरों से अपनी चोंच में दबा लेंगें और कछुए को डंडे के बीच में से अपने मुँह से पकड़ना होगा। हंसों ने कछुए को बात करने से साफ-साफ मना किया था। वे तीनों एक गाँव के उपर से उड़ रहे थे। वहाँ कुछ बच्चे पतंग उड़ा रहे थे। वे सब उन तीनों के पीछे-पीछे भागते भागते बात करने लगे। कुछ बच्चे उस कछुए

को देखकर चकित हो गये थे। कुछ बच्चे उसे पालतु रखना चाहते थे और कुछ खाना चाहते थे। कछुआ अपना संयम खो बैठा और ~~आप~~ अपना मुँह खोल दिया और वह गिरकर मर गया।